हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 25 मई 2026

तापमान
अधिकतम 43.3 डिग्री
न्यूनतम 26.2 डिग्री

11 जीवन में सदा सत्य और धर्म के मार्ग पर चलें

12 पशुपति के पीठाधीश्वर ने मेधावी छात्रों को सम्मानित किया

खबर संक्षेप

मकान से नकदी और जेवर चोरी

सोनीपत। कुंडली क्षेत्र में चोरों ने फैक्ट्री परिसर में बने मकान को निशाना बनाकर नकदी और जेवरात चोरी कर लिए। सेक्टर-53 फेज-3 निवासी नरेंद्र सिंह यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रोजाना की तरह मकान पर ताला लगाकर काम पर गए थे। शाम को लौटने पर घर का सामान बिखरा मिला और अलमारी का लॉकर टूटा हुआ था। चोर करीब 1.20 लाख रुपये की नकदी, छह चांदी के सिक्के और सोने का मंगलसूत्र चोरी कर ले गए। घटनास्थल पर मकान की केबल कटी मिली और आसपास संदिग्ध जूतों के निशान पाए गए। पुलिस को मौके से एक कटर भी बरामद हुआ है, जिससे ताला और लॉकर तोड़े जाने की आशंका जताई जा रही है। पीड़ित ने पास में रेहड़ी लगाने वाले एक युवक पर संदेह जताया है।

पिपली खेड़ा में घर से आभूषण चोरी

गन्नौर। गांव पिपली खेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने घर में रह रहे युवक पर सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शमशेर ने थाना बड़ी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 मई की शाम उसकी पत्नी सुनीता माता-पिता को दूध देने के लिए दूसरे घर गई हुई थी। कुछ देर बाद वापस लौटने पर छोटे बेटे ने बताया कि सक्षम अलमारी से पर्स निकालकर ले गया है। परिवार ने जांच की तो पर्स में रखी सोने की झुमकी, एक सोने की चेन, दो सोने की अंगूठियां, दो चांदी की चेन और दो लॉकेट गायब मिले। शिकायतकर्ता ने बताया कि सक्षम उसके भाई राहुल की पहली पत्नी स्वीटी का बेटा है। स्वीटी पहले पति से तलाक के बाद सक्षम को साथ लेकर राहुल के पास आई थी। बाद में करीब छह वर्ष पहले राहुल और स्वीटी का भी तलाक हो गया था।

बाइक और फोन चुराने का आरोपी गिरफ्तार

खरखौदा। घर से मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन चोरी करने के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव रिढ़ाऊ निवासी टिंकु के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। 30 मार्च को गांव रिढ़ाऊ निवासी गौरव ने थाना खरखौदा में शिकायत दी थी कि रात के समय उसके घर से मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन चोरी हो गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

बिजली की मांग में उछाल रोजाना खपत 1.67 करोड़ यूनिट पहुंची

ओवरलोड से ट्रांसफार्मर धधका विशाल नगर की गर्मी में कटी रात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

- एसी-कूलर के बढ़ते इस्तेमाल से बिजली व्यवस्था पर बढ़ा दबाव गर्मी बढ़ने के साथ ट्रांसफार्मरों में फाल्ट की घटनाएं बढ़ीं
- शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित कटौती से लोग परेशान, शिकायत केंद्रों पर बढ़ा दबाव, एक माह में 900 तक पहुंचीं शिकायतें

एक दिन पहले तापमान में गिरावट के बाद रविवार को जिले में फिर से गर्मी ने तेवर दिखाए। अधिकतम तापमान में करीब तीन डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और लू का सामना करना पड़ा। रविवार को जिले का अधिकतम तापमान 43.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज किया गया। दोपहर के समय बाजार और गलियां सुनसान नजर आईं। भीषण गर्मी के चलते बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। एसी, कूलर और पंखों के अधिक इस्तेमाल से ट्रांसफार्मरों पर लोड बढ़ने लगा है। रविवार देर रात विशाल नगर की गली नंबर-6 स्थित सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में ओवरलोड के कारण ट्रांसफार्मर और बिजली की तारें धू-धूकर जल उठीं।

घटना के बाद क्षेत्र में कई घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही और लोगों को गर्मी में रात काटनी पड़ी। जिले में बिजली खपत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। करीब एक सप्ताह पहले जहां प्रतिदिन 1.31 करोड़ यूनिट बिजली की खपत हो रही थी, वहीं अब यह बढ़कर 1.67 करोड़ यूनिट तक पहुंच गई है। बढ़ते लोड के कारण शहर के कई हिस्सों में फाल्ट आने और मरम्मत कार्य के चलते बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी अघोषित कटौती लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। बिजली निगम की ओर से शिकायत निवारण केंद्र बनाए गए हैं, लेकिन बढ़ती शिकायतों के चलते निगम पर दबाव बढ़ गया है। निगम अधिकारियों के अनुसार पहले जहां एक माह में करीब 350 शिकायतें आती थीं, वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर करीब 900 तक पहुंच गई है।

ट्रांसफार्मरों पर दबाव बढ़ा

बिजली निगम के एक्सईएन रणबीर सिंह देशवाल ने बताया कि बढ़ती गर्मी और बिजली खपत के कारण ट्रांसफार्मरों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। इसके बावजूद उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली सुविधा उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अकेली रह रही बुजुर्ग महिला की हत्या

- बाथरूम में मिला शव, मुंह में ठूंसा था कपड़ा, हाथ-पैर भी बंधे मिले
- घर में मिले दो पानी के गिलास, गहने गायब मिलने से लूट की आशंका

एआई जनरेटेड इमेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शहर से सटे गांव जटवाड़ा में रविवार रात एक बुजुर्ग महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के बाथरूम से मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के हाथ-पैर चुन्नी से बंधे हुए थे और मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए पुलिस हत्या की आशंका जता रही है। जटवाड़ा स्थित राजकीय स्कूल के सामने गली में अकेली रहने वाली 65 वर्षीय संतोष का शव उनके घर के बाथरूम में मिला। बताया गया है कि उनके पति की करीब 12 वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है।

रविवार को लंबे समय तक घर में कोई हलचल न होने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। जब लोग हालचाल जानने के लिए घर पहुंचे तो दरवाजा खुला मिला। घर के अंदर जाकर देखा तो महिला का शव बाथरूम में पड़ा था। दोनों हाथ-पैर चुन्नी से बंधे हुए थे, जबकि मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। महिला के गले पर भी निशान मिले हैं। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला के शरीर पर सामान्य रूप से पहने जाने वाले गहने नहीं मिले। वहीं घर के अंदर दो गिलास पानी से भरे हुए मिले हैं, जिससे पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है। सूचना मिलते ही डीसीपी वेस्ट कुशलपाल सिंह, डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादियान और सिविल लाइन थाना प्रभारी रविंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। पुलिस हत्या और लूट दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और पड़ोसियों व परिचितों से पूछताछ की जा रही है। बताया गया है कि महिला ने एक बेटी गोद ली हुई थी, जिसकी शादी हो चुकी है।

मिशन एडमिशन : कन्या महाविद्यालय में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ

खरखौदा। सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय, खरखौदा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु विभिन्न संकायों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ हो चुके हैं। महाविद्यालय प्रांगण में छात्राओं की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है, जहाँ प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने क्षेत्र की छात्राओं

एवं अभिभावकों का आह्वान किया है कि वे समय रहते रजिस्ट्रेशन करवाकर उच्च शिक्षा के इस अवसर का लाभ उठाए।

किसानों की शंकाओं को दूर करेंगे : शर्मा

- धरने पर बैठे किसानों से मिलने पहुंचे मंत्री

गोहाना। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भालौठ सब ब्रांच नहर के 53 साल बाद हो रहे जीर्णोद्धार के दौरान किसानों की आशंकाओं को दरकिनार नहीं किया जाएगा, अपितु उनके साथ मिलकर समस्या का निदान किया जाएगा। वे रविवार को धरने पर बैठे किसानों के बीच पहुंचे और सिंचाई मं त्री श्रुति चौधरी से फोन पर बात की। मंत्री ने 27 मई को किसानों के प्रतिनिधिमंडल की सिंचाई मंत्री से मुलाकात सुनिश्चित करवाई और समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। सिंचाई विभाग द्वारा भालौठ सब ब्रांच नहर को कंक्रीट से पूर्ण रूप से पक्का किया जा रहा है।

किसान इसका विरोध कर रहे हैं और पिछले कई दिनों से जेएलएन नहर के पुल के पास धरने पर बैठे हुए हैं। किसानों द्वारा नहर को पक्का करने के काम भी रुकवा रखा है, और इसका विरोध कर रहे है।

मंगोलिया में चमका भारत, इतिशा ने एशियन ताइक्वांडो में जीता कांस्य पदक

एशियन गेम्स का कोटा भी किया हासिल

सोनीपत। मंगोलिया की राजधानी उलानबातर में आयोजित एशियन ताइक्वांडो सीनियर चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। भारतीय टीम का नेतृत्व कर रहे ताइक्वांडो कोच एवं भीम अवॉर्डी सौरव के मार्गदर्शन में खिलाड़ी इतिशा दास ने अंडर-73 किलोग्राम वर्ग में शानदार खेल दिखाते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया। कोच सौरव ने बताया कि इस उपलब्धि के साथ इतिशा दास ने आगामी एशियन गेम्स के लिए भी अपना कोटा हासिल कर लिया है। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उनका सामना उज्बेकिस्तान की मजबूत खिलाड़ी से हुआ, जिसे काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा था। इसके

बावजूद इतिशा ने बेहतरीन तकनीक, रणनीति और आत्मविश्वास के दम पर मुकाबला जीत लिया। सौरव ने बताया कि प्रतियोगिता से पहले विरोधी खिलाड़ियों के वीडियो का गहराई से अध्ययन किया गया था और उसी आधार पर रणनीति तैयार की गई। सही प्लानिंग और तकनीकी तैयारी का परिणाम रहा कि इतिशा ने भारत की झोली में महत्वपूर्ण पदक डाला। उन्होंने इतिशा को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। सौरव ने बताया कि वह स्वयं और इतिशा दोनों ही अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी एवं कोच संदीप कंडू के छात्र हैं। संदीप कंडू दो बार एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और वर्तमान में चंडीगढ़ पुलिस में सेवाएं देने के साथ खिलाड़ियों को प्रशिक्षण भी दे रहे हैं।

एशियाई वेटलिफ्टिंग कोमल ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

खरखौदा। गुजरात के गांधीनगर में आयोजित एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 11 मई को भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कल्पना चावला विद्यापीठ अकादमी की विद्यार्थी कोमल कोहड़ ने शानदार प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने इस भारोत्तोलन प्रतियोगिता में कुल 177 किलोग्राम वजन उठाया, जिसमें स्नैच श्रेणी में 78 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क श्रेणी में 99 किलोग्राम भार शामिल रहा। क्लीन एंड जर्क में उनके शानदार प्रयास ने उन्हें एक और कांस्य पदक दिलाया। कोमल की इस शानदार उपलब्धि पर अकादमी में खुशी की लहर छाई है। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी।

छिनौली में बेटी के स्वागत के लिए जुटा गांव

खरखौदा। छिनौली गांव की बेटी कोमल कोहाड़ ने एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में कांस्य पदक और वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड कप में सिल्वर मेडल जीतकर पूरे क्षेत्र, जिला और देश का नाम रोशन किया है। 23 वर्षीय कोमल ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतियोगिता में कुल 177 किलोग्राम वजन उठाया, जिसमें स्नैच में 78 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 99 किलोग्राम भार शामिल रहा। क्लीन एंड जर्क वर्ग में उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर उन्हें कांस्य पदक हासिल हुआ। कोमल पहले ही खेलों के दम पर रेलवे में भर्ती होकर सेवाएं दे रही हैं और अब रेलवे की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

सोनीपत के परिवार ने ब्रिटेन में इतिहास रचा, बेटे के बाद अब मां भी बनी मेयर

परिवार मूल रूप से जिले के रोहना का रहने वाला, रोहतक शिफ्ट होने के बाद 2013 में ब्रिटेन चले गए

मां परवीन रानी हट्र्समेयर बरो काउंसिल और बेटा तुषार बोरहैमवुड टाउन काउंसिल का मेयर

- हरियाणा के साधारण से परिवार की विदेश में बड़ी उपलब्धि
- समाज सेवा और भारतीय संस्कृति से जुड़े रहकर हासिल किया मुकाम

सोनीपत/ रोहतक। ब्रिटेन में भारतीय मूल के एक परिवार ने इतिहास रच दिया है। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले इस परिवार की मां और बेटा एक ही समय में अलग-अलग शहरों के मेयर बने हैं। बेटे तुषार 13 मई को एल्स्ट्री और बोरहैमवुड टाउन काउंसिल के सबसे कम उम्र के मेयर बने, जबकि उनकी मां परवीन रानी दहिया 20 मई को हट्र्समेयर बरो काउंसिल की पहली भारतीय मूल की मेयर चुनी गईं। परिवार का पुश्तैनी गांव सोनीपत जिले का रोहना गांव है। हालांकि परिवार लंबे समय तक रोहतक में भी रहा और फिर 2013 में ब्रिटेन चला गया। तुषार के पिता सुनील दहिया ने फोन पर बताया कि जब वे पत्नी और दो बच्चों के साथ ब्रिटेन पहुंचे थे, तब उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका

परिवार इतनी बड़ी पहचान बनाएगा। कारोबारी सुनील दहिया ने बताया कि जब वह अपनी पत्नी परवीन और दो बच्चों के साथ 2013 में यूके गए थे, तो उनके मन में कोई खास प्लानिंग नहीं थी। तब तुषार सिर्फ 10 साल का था। उन्होंने कहा, आज यह बहुत गर्व की बात है कि भारतीय मूल के एक ही परिवार की मां और बेटे, दोनों एक ही समय पर मेयर बने हैं।

20 की उम्र में पार्षद बन गए थे तुषार

तुषार 2025 में डिप्टी मेयर बने थे। उन्होंने लंदन के किंग्स कॉलेज से ग्रेजुएशन किया है। जब वे 20 साल की उम्र में काउंसलर (पार्षद) बने थे, तब वे कॉलेज में अंडरग्रेजुएट के दूसरे साल के छात्र थे और पॉलिटिक्स में बीएससी कर रहे थे। वे इस साल सितंबर में अपनी मास्टर्स की डिग्री भी शुरू करेंगे। पिता ने बताया, छोटा बेटा भी किंग्स कॉलेज से ही अपनी डिग्री कर रहा है। वह किंग्स कॉलेज स्टूडेंट्स यूनियन में ट्रस्टी भी है।

पहला चुनाव 2023 में लड़ा

तुषार और उनकी मां ने 2023 में पहली बार चुनाव लड़ा था और वे काउंसलर चुने गए थे। मेयर बनने से पहले परवीन 'स्ट्रीटसीन, पार्क, लेजर और कल्चर' की कैबिनेट सदस्य, हट्र्समीयर की डिप्टी मेयर और 'फिल्म और टेलीविजन' की ग्लोबल एनवॉय के तौर पर भी काम कर चुकी हैं। तुषार और उनकी मां को हमेशा से ही समाज की मदद करना और समाज सेवा करना पसंद रहा है।

मुफ्त में हिंदी सिखाते हैं मां-बेटे : तुषार ने हाल ही में एल्स्ट्री और बोरहमवुड के मेयर का पद संभाला है। लेबर पार्टी के इस काउंसलर ने 2023 में एल्स्ट्री और बोरहमवुड टाउन काउंसिल में शामिल हुए थे और इससे पहले वे डिप्टी मेयर के पद पर काम कर चुके हैं। तुषार और उनकी मां यूके में पैदा हुए और पले-बढ़े लोगों को मुफ्त में हिंदी भी सिखाते थे। तुषार एक चैरिटी संस्था हिंदी शिक्षा परिषद से भी जुड़े हुए हैं।

आज भी हरियाणा में बसी है परिवार की जान

सुनील दहिया ने बताया कि उनका परिवार आज भी हरियाणा में अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और रोहतक में उनका एक घर भी है, जहां परिवार के कुछ अन्य सदस्य रहते हैं। हम हमेशा अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। हम हर साल अपने गृह नगर जाते हैं।

समाज सेवा में आने के लिए उम्र बाधा नहीं : तुषार

तुषार का मानना है कि सार्वजनिक और समाज सेवा में आने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। युवाओं के लिए उनका संदेश है कि वे किसी खास उम्र का इंतजार किए बिना ही सार्वजनिक या समाज सेवा के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। उनके पिता ने बताया कि उनका पक्का मानना है कि इंसान को अपनी संस्कृति और विरासत से जुड़ा रहना चाहिए। जहां एक तरफ तुषार को अपनी भारतीय विरासत पर बहुत गर्व है, वहीं दूसरी तरफ उन्हें उस शानदार और अलग-अलग संस्कृतियों वाले ब्रिटिश शहर पर भी उतना ही गर्व है।

गन्नौर में पूरा हुआ हाउस लिस्टिंग का कार्य

गन्नौर। जनगणना-2027 के तहत गन्नौर ब्लॉक ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे वास्तविक हाउस लिस्टिंग कार्य को निर्धारित समय से पहले ही शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। यह कार्य एक मई से शुरू हुआ था और इसकी अंतिम तिथि 31 मई 2026 तय की गई थी, लेकिन प्रशासन ने इसे 24 मई को ही सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। तहसीलदार ललिता ने बताया कि इस अभियान में कुल 328 एचएलबी कर्मचारियों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। सभी कर्मचारियों ने पूरी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ कार्य किया, जिसके चलते किसी प्रकार की लापरवाही सामने नहीं आई।

SHIVA HOSPITAL SONEPAT
MULTISPECIALITY CHARITABLE HOSPITAL
LALA OM PARKASH MOHINDER GOEL
SHIVA HOSPITAL
An ISO 9001:2008 Certified
DEV NAGAR, SONIPAT-131001 Ph.: 0130-2247236
INVITES APPLICATIONS FOR :
RADIOGRAPHER
O. T. TECHNICIAN
WARD BOY
ANM/GNM NURSE
GOOD SALARY
-MEDICAL SUPERINTENDENT
Apply with resume, latest photo & all testimonials within 5 days at:
SHIVA HOSPITAL
Dev Nagar, Kakroi Road Sonipat-131001

आस्था का केंद्र

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

हरियाणवी के अनन्य साधक रहे पं. हरिकेश पटवारी

हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया।

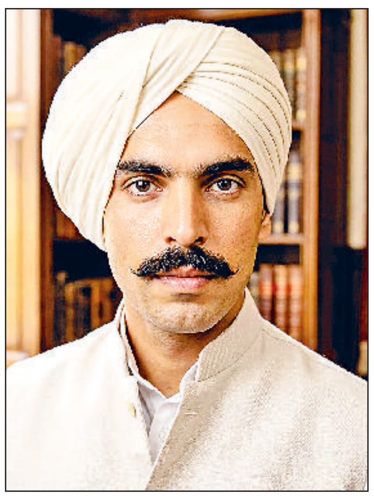

लोक साहित्य

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के संघर्षों, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का एक जीवंत दस्तावेज़ है, जिसने सदियों से इस क्षेत्र की पहचान को अक्षुण्ण रखा है। 'सांग' और 'रागनी' जैसी समृद्ध विधाओं के साहित्यिक क्षेत्र में अनेक ऐसी महान विभूतियां उभरीं, जिन्होंने अपनी अनमोल लेखनी से लोक-भाषा को अमर बना दिया।

इसी श्रृंखला में एक दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह चमकते हैं लोककवि पं. हरिकेश पटवारी। पं. हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया। पं. हरिकेश पटवारी का जन्म पंडित उमाशंकर और बसन्ती देवी के घर में 7 अगस्त 1898 को तत्कालीन पंजाब के संगरूर जिले के अंतर्गत आने वाले धनौरी गांव में हुआ था, जो वर्तमान समय में हरियाणा के कैथल जिले की नरवाना तहसील का हिस्सा है। उनके जन्म के समय यह क्षेत्र पटियाला रियासत का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करता था, जिससे उनके जीवन और प्रारंभिक वैचारिक विकास पर रियासती दौर की व्यवस्थाओं और ग्रामीण परिवेश का गहरा प्रभाव पड़ा। एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे हरिकेश की प्रारंभिक शिक्षा धनौरी में ही संपन्न हुई, जिसके बाद वे उच्च शिक्षा के लिए पंजाब के खन्ना क्षेत्र में चले गए और वहां से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर सरकारी सेवा प्रारंभ की। इसी पद पर कार्य करने के कारण वे लोकमानस में पं. हरिकेश पटवारी के नाम से विख्यात हुए और उन्हें ग्रामीण समाज, किसानों की समस्याओं और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली को बहुत ही करीब से देखने का अवसर मिला। वे अपनी कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण समझ और हाजिर-जवाबी के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध थे तथा उन्होंने कई भाषाओं में लेखन का कार्य भी किया। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद जब भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा था, तब हरियाणा के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश को उन्होंने बहुत ही विश्वसनीय, प्रामाणिक और पारदर्शी ढंग से अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता के सामने प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में व्यक्त सच्चाई और सहज कला के कारण उनकी रागनियां आम जनमानस में अत्यधिक लोकप्रिय हुईं, क्योंकि ग्रामीण आंचल के किसान, मजदूर और सामान्य नागरिक उनकी कविताओं में अपनी ही आवाज पाते थे। उनकी चार पुस्तकें हरियाणवी लोक-साहित्य की अनमोल धरोहर मानी जाती हैं, जिनमें वैराग्य रत्नमाला, आजादी की झलक, हरिकेश पुष्पांजलि और प्रश्नोतरी शामिल हैं। इन प्रकाशित पुस्तकों के अतिरिक्त उनकी कई अमूल्य रचनाएं अप्रकाशित भी रह गईं जिनमें सत्यवान-सावित्री, जानी चोर, हरफूल जाट और ऊखा-अनिरुद्ध आदि किस्से शामिल हैं जो प्रमाणित करती हैं कि उनकी पैठ पौराणिक आख्यानों से लेकर समकालीन लोक-इतिहास तक समान रूप से गहरी थी। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है जिसमें ईश्वर की असीम सत्ता और प्रकृति के रहस्यों के प्रति गहरा कौतुक और दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाई देता है जिसका एक अनुपम उदाहरण उनके इस काव्य संदर्भ में मिलता है जहाँ वे कहते हैं:बड़े बड़े गए हार, तेरी है अपार माया ,कहीं परथल कहीं चलें फवारे, तेरी कुदरत के अजब नजारे,तारे चन्द्रमा और भान, बादल बिजली के निशान,बिना खंभे आसमान, कौन से सीस पर टिकाया ।इन पंक्तियों में कवि ने ब्रह्मांड की रचना पर आश्चर्य और श्रद्धा व्यक्त करते हुए बताया है कि बड़े-बड़े विद्वान भी ईश्वर की इस अपार माया को समझने में हार मान चुके हैं और बिना किसी खंभे या सहारे के इस विशाल आसमान को ईश्वर ने किस अदृश्य शीश या आधार पर टिका रखा है यह इंसानी बुद्धि के परे है। हरिकेश एक सजग लोककवि थे इसलिए वे समाज में व्याप्त विसंगतियों और अन्याय को देखकर चुप नहीं रह सके और उन्होंने उस कड़वे यथार्थ को अपनी कविता का विषय बनाया जहां सदाचारी दुखी हैं और पापी सुखी हैं जिसके बारे में वे भगवान से ही सीधे प्रश्न करते हैं:

भूखे मरते भक्त, ऐश करते ठग चोर जवारी क्यूं,
फिर भगवान तनै न्यायकारी कहती दुनिया सारी क्यूं,
नशे विषे में मस्त दुष्ट सुख की निद्रां सोते देखे,
सतवादी सत पुरुष भूख में जिन्दगानी खोते देखे,
एम.ए. बी.ए. पढ़े लिखे सिर पर बोझा ढोते देखे

यह रचना उनकी सामाजिक चेतना का चरमोत्कर्ष है जिसमें वे शिक्षा और रोजगार की विसंगति पर प्रहार करते हुए कहते हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त योग्य युवा बेरोजगार होकर सिर पर बोझा ढोने के लिए मजबूर हैं जबकि मूर्ख और अनपढ़ लोग ऊंचे पदों और कुर्सियों पर आसीन होकर राज कर रहे हैं। कवि ने संसार के लोगों के स्वभाव और प्रवृत्तियों का बहुत ही सूक्ष्म अध्ययन किया था और वे जानते थे कि हर मनुष्य अपनी ही धुन में, अपने ही स्वभाव में मस्त है जिसे वे अपनी पंक्तियों में इस प्रकार व्यक्त करते हैं:

कोई अनुरागी कोई त्यागी कोई बल और धन में मस्त कोई,
कोई ज्ञानी कोई ब्रह्मज्ञानी खल मूर्खपन में मस्त कोई,
रज्या मरै कोई बरत करे और पौ भर अन्न में मस्त कोई,
झक मारै कोई बक मारै रहै मोनी मन में मस्त कोई।

यह काव्य संदर्भ सिद्ध करता है कि वे एक महान मनोवैज्ञानिक कवि थे जिन्होंने मानव व्यवहार के हर रंग को पहचानकर उसे शब्दों में ढाला।एक सच्चे कलाकार और स्वाभिमानी कवि के रूप में पं. हरिकेश पटवारी ने कभी भी अपनी कला का सौदा नहीं किया और वे जानते थे कि जहां कला, ज्ञान और गुणी जनों की कद्र न हो, वहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना व्यर्थ है जिसे वे इस प्रकार प्रकट करते हैं:

जहां जूत लगें और मिले मिठाई वो अनखज खाणा के,
जो कह के गुरु-गुरु बणजै इसे सतसंग का पाणा के,
जहां मूरख लंठ राज बैठे वहां निरगुण का गाणा के,
तै बिना कदर हरीकेश पकड़ ली कविता मूठ ढाल की।

यहां वे उन पाखंडी और धूर्त लोगों पर चोट करते हैं, जो केवल छल से किसी के गुरु बन बैठते हैं और जहां कला की कोई कद्र ही नहीं है, वहां कविता रचना व्यर्थ मानते हैं। वैराग्य और दर्शन के क्षेत्र में पं. हरिकेश पटवारी का दृष्टिकोण अद्वैतवादी संतों जैसा था जो ईश्वर को चराचर जगत के कण-कण में व्याप्त देखते थे, इसे उन्होंने बहुत ही सुंदर शब्दों में पिरोते हुए लिखा है:

भगत तेरे बस रहे सदा भगतों के बस में तू है,
लता पात फल फूल मूल धातु सब रस में तू है,
रूप चरम लहू माँस हाड़ नाड़ी नस-नस में तू है,
वन मरण लाभ हानि सब जस-अपजस में तू है।

कवि कहता है कि वनस्पति की लताओं, पत्तों, फलों, फूलों और मनुष्य के भौतिक शरीर की हड्डियों, नाड़ियों और नस-नस में केवल वही विधाता व्याप्त है। लोककवि का एक मुख्य दायित्व समाज को सही मार्ग दिखाना और नैतिक मूल्यों की स्थापना करना भी होता है। उन्होंने आम जनमानस को जीवन जीने की कला सिखाते हुए इस प्रकार उपदेश दिया है:

शील सबर धीरज धारण करके सन्तोषी रहा कर,
चोरी जारी बदकारी से सौ-सौ कोस दूर रहा कर,
अफीम शराब चरस भंग पीकर मत बेहोश रहा कर,
कंच पात्रसम शुद्धचित्त निर्मल निर्दोष रहा कर।

इन पंक्तियों में कवि मनुष्य को समझाते हैं कि वन में हमेशा शील, संतोष और धैर्य को धारण करना चाहिए तथा हर प्रकार के बुरे कर्मों और नशों से दूर रहकर अपना चरित्र कांच के साफ बर्तन के समान निर्मल रखना चाहिए। पं. हरिकेश ने अपनी राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों को भी अपनी अमर लेखनी से अंकित किया है जिसका जीवंत प्रमाण उनकी पुस्तक आजादी की झलक से मिलता है, जहां वे ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों और उनकी दमनकारी नीतियों का अत्यंत मार्मिक चित्रण करते हुए लिखते हैं:

अंग्रेजों ने म्हारे देश को बिल्कुल चकनाचूर किया।
लूट लिया धन माल हिन्द का अपना घर भरपूर किया।
ऐसी डाली फूट सगा भाई भाई से दूर किया।
बंधी बुहारी खोल बिखेरी कितना बड़ा कसूर किया।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने उस ऐतिहासिक सच्चाई को बयां किया है कि कैसे विदेशी शासकों ने भारत की अपार धन-संपदा को लूटकर अपने देश को भरा और हमारी आपसी एकता को छिन्न-भिन्न करने के लिए फूट डालो और राज करो की कुटिल नीति अपनाई जिससे उन्होंने प्रेम से रहने वाले सगे भाइयों को एक-दूसरे से दूर कर दिया और पूरे समाज को तिनके-तिनके की तरह बिखेर कर देश को कमजोर कर दिया। इस महान सफलता और लोक-सेवा के पथ पर चलते हुए अंततः 8 फरवरी 1954 को पं. हरिकेश पटवारी इस नश्वर संसार से चल बसे परंतु अपनी अमर लेखनी के कारण वे आज भी लोक-मानस में जीवित हैं। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है। उन्होंने एक पटवारी के रूप में समाज के व्यावहारिक धरातल को नापा और एक कवि व गायक के रूप में समाज की आत्मा को झंकृत किया जिससे उनका जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण और साहित्यिक योगदान अत्यंत विशाल व समृद्ध रहा। भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है, जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है।

रागिनी — सत्यवीर नाहड़िया

न्यूं बिदबान बतावैं

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

टेक-कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी, हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगर[redacted]ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत क[redacted]थी,आग्गै फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी छंद म्हैं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हैं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कविता — त्रिलोक चंद फतेहपुरी

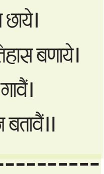

देश की अखंडता

नौजवानों देश का ऊंचा भाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

कयी देश द्रोही सिर अपणा ठावैं।
देश की अखंडता नै तोड़णा चाहवै।
ऐसे क्रूर जालिमों की पड़ताल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

सीमा पै पड़ोसी बैरी तण[redacted]ड़ा सै।
म्हारी एकता खंडित कर[redacted] अड़ा सै।
एकता कदे ना टूटे वा ढाल रखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

जात धर्म के कयी बणै सैं हिमाती।
भाषा विवाद आळै घणै खुरापाती।
उन दुष्टों का ध्यान हर हाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

देश की अखंडता कायम, सुरक्षित हो
उन्नति के पथ पै देश सदा अग्रसित हो
त्रिलोक प्यारे देश को बेमिसाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

संस्कृति

हरियाणा में ग्राम-राज की आत्मा और लोकतंत्र का अनौपचारिक मैदान कहलाती हैं चौपालें

चौपालों की नई भूमिका को निर्मित करना जरूरी

जनजीवन

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की धरती पर चौपालें ऐसे स्थान हैं, जहां गांव की खामोशी में राजनीति की बात होती है, लोक-संस्कृति की गूंज बजती है और सामाजिक ठहराव की गहरी दरारें भी दिखाई देती हैं। ये छोटे-छोटे, अक्सर मिट्टी-पगडंडियों के किनारे बने कच्चे मंच आज भी ग्रामीण जीवन की धड़कन बने हुए हैं। यही चौपालें आम जनता, महिलाओं, युवाओं और सत्ताधारियों के बीच अनौपचारिक संवाद का अनमोल माध्यम हैं, जिनकी गूंज आधुनिक राजनीति, नीति-निर्माण और लोक-संस्कृति तीनों स्तरों पर अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखती है।

हरियाणा की चौपालें ग्रामीण समाज की पारम्परिक ग्राम-सभा की उत्तराधिकारी हैं, जहां समुदाय खुले आम बैठकर विवाद, नीति-प्रभाव और दैनिक समस्याओं पर बात करता है। यहां न केवल जमीन-पानी, सिंचाई, राशन-योजना या बिजली-समस्या जैसे मुद्दे उठते हैं,

बल्कि गांव के बच्चों की शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा और पंचायत-निर्वाचन की रणनीति भी इसी अनौपचारिक मंच पर तैयार होती है। इस रूप में चौपाल लोकतंत्र की जड़ों का एक जीवित प्रतीक बन जाती है, जहां बिना नोटिस नियम-फाइल के आम आदमी की आवाज बिना फिल्टर के गूंजती है। लेकिन यही चौपालें एक कठोर सामाजिक सिस्टम का हिस्सा भी हैं, जहां जाति-प्रभुत्व, तानाशाही पितृत्व-नेतृत्व और वंशवाद की बातें भी अक्सर दबी आवाज में टकराती हैं। ऐसे में चौपाल एक दोहरी भूमिका निभाती है – वहीं जहां लोकतांत्रिक भागीदारी की संभावना झलकती है, वहीं सामाजिक विभाजन और असमानता की दीवारें भी और ऊंची उठती प्रतीत होती हैं। इस द्वंद्व के बीच चौपाल की नई भूमिका को निर्मित करना आज की जरूरत है। हरियाणा में चुनावी रणनीति अक्सर दिल्ली या चंडीगढ़ के पार्टी-कार्यालयों से शुरू नहीं होती, बल्कि गांव-गांव की चौपालों से शुरू होती है। प्रत्येक पंचायत-निर्वाचन से पहले चौपालें "राजनीतिक मुख्यालय" बन जाती हैं, जहाँ उम्मीदवारों के विज्ञापन, समर्थकों की बैठकें और वोट-संरचना पर खुलकर चर्चा होती है। यहाँ जाति-समीकरण, वंशवाद-विरोध, नई पीढ़ी की अपेक्षाएं और सरकारी योजनाओं की वास्तविकता से जुड़े तथ्यों का जीवंत विश्लेषण होता है। इसी कारण चौपाल एक अनौपचारिक राजनीतिक बाज़ार भी बन जाती है, जहाँ मतदाता व उम्मीदवार दोनों एक-दूसरे से सीधा संवाद स्थापित करते हैं। यहाँ नारे नहीं, बल्कि रोटी-सिंचाई-रोज़गार जैसे ठोस विषय चर्चा का आधार होते हैं। इस प्रकार चौपाल राजनीति को ग्रामीण धरातल पर उतारती है और उसे अमूर्त राजनीतिक विचारों से आम जनजीवन से जोड़ती है। चौपालें राजनीति से हटकर ग्रामीण संस्कृति का एक जीवंत मंच भी हैं। यहां तीज, बासंत, लोहड़ी, दीपावली और विवाह-उत्सवों के समय हरियाणवी लोक-गीत, ठाप, झूमर, नाद-नृत्य और ग्रामीण लोक-कथाएं गूंजती हैं। यहीं झूले, मेहंदी, गीत-संगीत और भोज-संस्कृति से जुड़ी सामाजिक बातें भी चलती हैं, जिनसे ग्राम-समाज की भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक नेटवर्क जीवित रहते हैं। चौपाल सिर्फ सामाजिक-राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की अदृश्य रचनात्मक ऊर्जा का भी एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति-स्थल है। यहीं से लोक-कथाएं, भावनाओं की भाषा और नारी-पहल की छोटी-छोटी शुरुआतें शहर-स्तरीय उत्सवों और मेलों के माध्यम से बाहर दुनिया तक पहुंचती हैं। आधुनिक युग में चौपालों की भूमिका अपने आप बदल रही है।

मोबाइल, डिजिटल मीडिया और ऑनलाइन बात-चीत ने ग्रामीण जनता की जानकारी के स्तर को उठाया है, लेकिन इसके साथ-साथ युवा पीढ़ी की चौपालों से दूरी भी बढ़ रही है। जहाँ कभी गांव के बुज़ुर्ग और युवा एक ही छत्र में बैठकर बातचीत करते थे, वहाँ आज सोशल-मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप अक्सर नए मंच बन जाते हैं। चौपाल की अवधारणा को नवीनीकरण की ज़रूरत है। यह डिजिटल युग के साथ जुड़कर एक नई पहचान बना सकती है जैसे "डिजिटल चौपाल", "युवा चौपाल" या "नारी चौपाल", जहां ग्रामीण समाज की नई पीढ़ी की भाषा और चिंताओं को भी समान रूप से शामिल किया जा सके। हरियाणा में चौपलों की गूँज आज भी जीवित है, लेकिन इसे सिर्फ पारम्परिक प्रतीक के रूप में न रखकर एक नवीनीकृत सामाजिक और सांस्कृतिक मंच के रूप में देखने की आवश्यकता है। यह चौपाल आज भी ग्रामीण जनता की आवाज, राजनीति की बुनियाद और सांस्कृतिक धड़कन तीनों को एक साथ जोड़ती है। इसे सुदृढ़ करना और उसे नवीन रूप देना, आधुनिक ग्राम-राज्य की स्वस्थ प्रगति के लिए अनिवार्य है।

सपनों को उम्र नहीं, सिर्फ हौसला चाहिए : डिंपल चौधरी

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

ज़िंदगी सिर्फ जिम्मेदारियों का नाम नहीं होती, कभी-कभी अपने अंदर छुपे कलाकार को जी लेना भी ज़रूरी होता है- यह पंक्ति सिर्फ़ एक विचार नहीं, बल्कि डिंपल चौधरी के पूरे जीवन का सार है। एक ऐसी महिला, जिसने परिवार, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने सपनों को भी पूरी शिद्दत से जिया और यह साबित किया कि अगर हौसले ज़िंदा हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

नोएडा में रहने वाली डिंपल का जन्म पुठकला में हुआ और उनकी पूरी पढ़ाई-लिखाई नजफगढ़ में हुई। बचपन से ही वह उन लड़कियों में शामिल रहीं जो सिर्फ़ किताबों तक सीमित नहीं थीं। स्कूल का कोई भी कार्यक्रम हो -डांस, स्पोर्ट्स, स्टेज एक्टिंग या अन्य गतिविधियां, उनका नाम हमेशा सबसे आगे रहता। अपने कॉलेज के दिनों में उन्होंने बैडमिंटन में भी कई पुरस्कार जीते। आज वह दिल्ली यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं और अपने काम को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा रही हैं। उनके पति सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपना व्यवसाय चलाते हैं और हर

कदम पर उनका हौसला बढ़ाते रहे हैं। डिंपल ने ससुराल में भी उनकी सासू मां, जो एक रिटायर्ड प्रिंसिपल रह चुकी हैं, से डिंपल ने अनुशासन और आत्मविश्वास सीखा। परिवार के अन्य सदस्य देवर-देवरानी सभी ने हमेशा उन्हें प्यार और सहयोग दिया। डिंपल बहुत अच्छी डांसर हैं।

उन्होंने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मंचों पर अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दीं। उनके लिए डांस केवल कला नहीं, बल्कि आत्मा की आवाज़ है। धीरे-धीरे उनका अभिनय सफर भी आगे बढ़ता गया। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों में काम किया, जिनमें "ये ही दहेज है", "परिश्रम", "पारखी", "मेरा परिवार", "अच्छी फीलिंग", "खास दोस्त", "बेटे की खुशी" और "सबक" जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। इन फिल्मों ने उन्हें केवल अभिनय ही नहीं सिखाया, बल्कि समाज को और करीब से समझने का अवसर भी दिया। उन्होंने एफटीएएफटी डिजिटल प्रोडक्शन के साथ कई रचनात्मक प्रोजेक्ट्स में काम किया और कैमरा विज़न प्रोडक्शन के पॉडकास्ट में अपने जीवन व अभिनय सफर को खुलकर साझा किया। उनके अभिनय जीवन में कई ऐसे अवसर आए, जिन्होंने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया। उन्हें बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और रजनीकांत की फिल्म रोबोट 2.0 और प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी के साथ काम करने का अवसर मिला। हाइफा ग्रुप से जुड़ना डिंपल चौधरी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जहां उन्हें बड़े कलाकारों से सीखने और अपने हुनर को निखारने का अवसर मिला। हाइफा के मंच पर अपनी शानदार डांस प्रस्तुतियों के जरिए उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। आज डिंपल चौधरी कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने हरियाणा की मशहूर कलाकार सपना चौधरी के साथ आने वाली हरियाणवी फिल्म "फौजन" में काम किया है, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और हरियाणवी कलाकार राखी लोहचब के साथ भी उनका एक नया प्रोजेक्ट आने वाला है। साथ ही बॉलीवुड अभिनेता राजेंद्र गुप्ता के साथ भी उन्होंने एक फिल्म में काम किया है, जो जल्द दर्शकों के सामने होगी। हरियाणवी सिनेमा में अपने अनुभव और सिनेमा में आए बदलावों के संदर्भ में डिंपल का मानना है कि आजकल हरियाणवी सिनेमा में पहले की तुलना में अधिक फ़िल्में, वेब सीरीज़, पारंपरिक गीतों के साथ-साथ नई धुनों और आधुनिक संगीत का भी निर्माण किया जा रहा है। इससे नई प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिल रहा है और हरियाणवी मनोरंजन जगत की गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो रहा है।

हरियाणवी बोली, संस्कृति और सकारात्मक हरियाणवी सोच को अब बॉलीवुड में भी विशेष पहचान और सराहना मिलने लगी है। यही कारण है कि आने वाले समय में हरियाणवी सिनेमा नई ऊंचाइयों को छूने की प्रबल संभावनाएं रखता है। आज डिंपल चौधरी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से जुड़ी रहती हैं, जहां उनके डांस और एक्टिंग वीडियोज़ कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। वह मानती हैं कि शादी, परिवार और नौकरी के बाद भी सपनों को जिया जा सकता है, अगर दिल में सच्चा जुनून हो। जब लोग उनसे समय निकालने का राज पूछते हैं, तो वह मुस्कुराकर कहती हैं - "जिस चीज़ से सच्ची खुशी मिले, उसके लिए समय अपने आप बन जाता है।" आज भी वह लगातार सीख रही हैं, आगे बढ़ रही हैं और अपने सपनों को जी रही हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि हौसले मजबूत हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

गोहाना में जयंती समारोह में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने की शिरकत

भारतीय संस्कृति के प्रकाश स्तम्भ थे महर्षि कश्यपः सहकारिता मंत्री

उत्तराखंड भवन का भूमि पूजन कर 21 लाख रुपये देने का किया ऐलान

गोहाना। समाज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि महर्षि कश्यप भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रकाश स्तम्भ थे, जिन्होंने ज्ञान, तप और अनुसंधान से मानव सभ्यता को नई दिशा दी। महर्षि कश्यप ने समाज को नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की। ऐसे महान ऋषि का प्रेरणादायक व्यक्तित्व हमेशा मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा। रविवार को पानीपत मार्ग स्थित कश्यप चौक पर महर्षि कश्यप का जयंती समारोह आयोजित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा रहे जिन्होंने महर्षि कश्यप की मूर्ति पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि कश्यप समाज का इतिहास प्राचीन काल से ही गौरवशाली रहा है। इस समाज ने रामायण काल में निषाद जैसे शक्तिशाली राजा दिए। राजा निषाद ने ही भगवान रामचंद्र को वनवास के दौरान आश्रय दिया था। आजादी के आंदोलन में भी इस समाज ने सराहनीय भूमिका निभाई। महर्षि कश्यप को सृष्टि के प्रमुख ऋषियों में स्थान प्राप्त है और विभिन्न समाजों व वंशों की उत्पत्ति का श्रेय भी उन्हीं को दिया जाता है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'संत-महापुरुष सम्मान विचार प्रसार योजना' के माध्यम से समाज में महापुरुषों के संदेशों का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा भवन

इसके उपरांत कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शिव नगर में उत्तराखंड भवन के भूमि निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड भवन क्षेत्र के लोगों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। मंत्री ने उत्तराखंड भवन का भूमि पूजन करके 21 लाख रुपये देने की घोषणा की।

ये रहे मौजूद

कुलदीप कश्यप, बलजीत सिंह मतौरिया, प्रवीण खुराना, हरीश कर्नाटक, पंडित दयालु तिवारी, ललित, दिनेश कांडपाल, श्याम लाल वशिष्ठ, पवन सरपंच, पंचायत समिति चेयरमैन प्रदीप खरब और केसी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

महर्षि कश्यप का जीवन पूजनीय और प्रेरणा का स्त्रोत : निखिल मदान

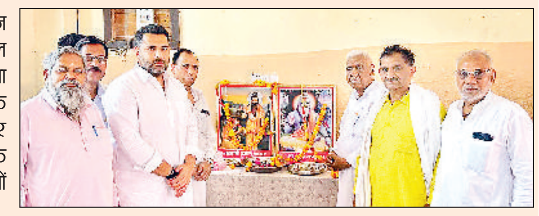
सोनीपत। महर्षि कश्यप को नमन करते हुए विधायक एवं अन्य।

सोनीपत। महर्षि कश्यप जयंती के पावन अवसर पर महर्षि कश्यप समाज समिति लाल दरवाजा द्वारा रविवार को कश्यप धर्मशाला सुंदर सांवरी में भंडारा और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक निखिल मदान सहित समाज के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं और माताओं बहनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस मौके पर विधायक निखिल मदान ने महर्षि कश्यप जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करते हुए उन्हें नमन किया। विधायक निखिल मदान ने कहा कि महर्षि कश्यप का जीवन समस्त मानव जाति के लिये पूजनीय है, उनके वेदों-पुराणों में योगदान और सृष्टि रचना में उनकी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही। महर्षि कश्यप सप्तर्षियों में से एक थे और कई देव, दानव, नाग और मानव वंशों के जनक माने जाते हैं। उनका जीवन दर्शन हम सबके लिए अनुकरणीय है। विधायक निखिल मदान ने कहा कि महर्षि कश्यप ने हमें ज्ञान, तप और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों पर चलकर शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। उन्होंने कश्यप समाज द्वारा शिक्षा और स्वरोजगार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर प्रधान गुरदीप कश्यप, रमेश कश्यप, वार्ड नंबर से पार्षद प्रतिनिधि रामनिवास रोहणा, रामपाल, सतेंद्र, दीपक, राजेंद्र, विजय कुमार कुक्कू, गौरव कौशिक, बेदू हलवाई, राजवीर कश्यप आदि लोग मौजूद रहे।

ग्राम सुधार समिति खन्दराई ने महर्षि कश्यप को याद किया

गोहाना। महर्षि कश्यप के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए समिति के सदस्य व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

गोहाना। रविवार को गांव खन्दराई में महर्षि कश्यप की जयंती मनाई गई। ग्राम सुधार समिति खन्दराई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में समिति के सदस्यों और ग्रामीणों ने महर्षि कश्यप के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। समिति के संस्थापक अध्यक्ष जगमहेंद्र सिंह ने महर्षि कश्यप के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महर्षि कश्यप हिंदू धर्म के महान ऋषियों में से एक माने जाते हैं। उन्हे सृष्टि के विस्तार का आधार स्तम्भ माना जाता है। महर्षि कश्यप ने प्रजापति दक्ष की कई कन्याओं से विवाह किया था। इन्हीं से पूरी सृष्टि का विस्तार हुआ है। हिन्दू धर्म में कश्यप गोत्र इन्ही की परम्परा का प्रतिनिधित्व करता है। समिति के जिलाध्यक्ष प्रदीप कश्यप ने कहा कि भारत ऋषि-मुनियों और महापुरुषों की पावन भूमि रहा है, जिनमें से महर्षि कश्यप भी एक थे।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें मेयर राजीव जैन महर्षि कश्यप को नमन करते हुए।

महर्षि कश्यप सदैव रहेंगे अविस्मरणीय : राजीव जैन

- लहराड़ा में भंडारे व जयंती महोत्सव का मेयर ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मेयर राजीव जैन ने महर्षि कश्यप की चरण वंदना करते हुए उनकी जयंती की बधाई दी। उन्होंने कहा कि महर्षि कश्यप मानव जाति के पथ प्रदर्शक के रूप में सदैव अविस्मरणीय रहेंगे। राजीव जैन मंगलवार को लहराड़ा, सुंदर सवारी, हनुमान नगर में महर्षि कश्यप जयंती महोत्सव में शामिल श्रद्घालुओं को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। लहराड़ा वासियों व कश्यप समाज के तत्वावधान में महर्षि कालू बाबा के सान्निध्य में कश्यप जयंती के मौके पर आयोजित भंडारे का शुभारंभ करते हुए बताया कि कश्यप ऋषि एक वैदिक ऋषि थे। इनकी गणना सप्तर्षि गणों में की जाती थी। हिंदू मान्यता अनुसार इनके वंशज ही सृष्टि के प्रसार में सहायक हुए। भारत में हिंदू धर्म की उपजाति कश्यप इनकी ही वंशज मानी जाती है।

जैन ने जानकारी दी कि कश्यप ऋषि का उल्लेख एक बार ऋग्वेद में हुआ है। भागवत पुराण और मार्कण्डेय पुराण के अनुसार कश्यप की तेरह पत्नियां थी और मत्स्य पुराण के अनुसार नौ। एक परंपरा अनुसार देवता, दैत्य, दानव, यक्ष, गंधर्व, रक्षा व नाग इन सभी जीवधारियों की उत्पत्ति कश्यप से हुई। मेयर राजीव जैन ने कहा कि महर्षि कश्यप ने मानव कल्याण को प्राथमिकता दी। उनके संदेशों और शिक्षाओं में भी जन कल्याण निहित रहा है। महर्षि कश्यप का जीवन अध्यात्म को समर्पित रहा। आज भी उनकी शिक्षाएं प्रासंगिक हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पार्षद सुनीता भोला, गुरदीप कश्यप, रमेश कश्यप, राजेंद्र कश्यप, सतीश कश्यप प्रधान, जय भगवान, राजबीर, जगबीर, धर्मवीर, कर्मबीर, प्रवीण, सुनील, विक्की, ताराचंद, रविंद्र, रामकुमार, मनोज आदि बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नि:शुल्क योग शिविर का शुभारंभ

सोनीपत। मिशन फिट सोनीपत के तहत राठधना रोड स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रविवार से निशुल्क योग शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का आयोजन पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के आजीवन सदस्य एवं सूर्यनमस्कार के डबल वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर मुख्य योग शिक्षक लक्ष्मीनारायण द्वारा किया जा रहा है। यह शिविर 21 जून तक चलेगा। शिविर में प्रतिभागियों को मोटापा, शुगर, उच्च व निम्न रक्तचाप, जोड़ों, कमर और घुटनों के दर्द जैसी समस्याओं में लाभकारी विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास करवाया जाएगा। लक्ष्मीनारायण ने साधकों को भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास करवाते बताया कि इसके नियमित अभ्यास से अस्थमा, एलर्जी, साइनस और खांसी-जुकाम जैसी समस्याओं में लाभ मिलता है। उन्होंने कपालभाति, अनुलोम-विलोम, प्रणव, भ्रामरी, शीतली और सीत्कारी प्राणायाम के लाभ भी बताए।

गंगाना से शुरू किया हरित अभियान

गोहाना। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ ग्लोबल अर्थ केयर फाउंडेशन द्वारा रविवार को गांव गंगाना में त्रिवेणी रोपण के साथ अपने पौधारोपण अभियान की औपचारिक शुरूआत की। त्रिवेणी में बरगद, पीपल और नीम के पौधे रोपे गए। फाउंडेशन के टीम सदस्य तेजपाल शर्मा, भगवान दास सरोहा, सचिन मेहरा और सुरेश ने कहा कि इस पहल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और नियमित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। संस्था ने निर्णय लिया है कि जहां भी पौधारोपण किया जाएगा, वहां एक स्थानीय संरक्षक की नियुक्ति की जाएगी जो समय पर पौधों की देखभाल कर सके। संस्था का लक्ष्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं, अपितु लगाए गए प्रत्येक पौधे को एक मजबूत और छायादार वृक्ष के रूप में विकसित करना है। समिति के सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोडने का संकल्प लिया।

संकीर्तन में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

गोहाना। पंजाबी महासभा गोहाना द्वारा मुख्य बाजार स्थित सनातन धर्म मंदिर में राधा नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति को समर्पित इस कार्यक्रम में श्रद्धालु भजनों पर जमकर झूमे। मार्गदर्शन राजेश पिपलानी का रहा। समारोह में राधा नाम संकीर्तन मंडली द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति और राधा नाम की अमृतमयी धुनों से पूरे वातावरण भक्तिमय बन गया। पूरा पांडाल राधे-राधे के जयकारों से गूंज उठा। पंजाबी महासभा के पूर्व अध्यक्ष सन्नी आहूजा ने नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी को गदा भेंट करके सम्मानित किया। संकीर्तन उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम ने समाज में भाईचारे, आस्था और सामाजिक एकता अनूठा संदेश दिया।

खबर संक्षेप

अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित योग करें

गोहाना। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर रविवार को गांव धनाना, रिंढाना, छपरा और मुंडलाना स्थित राजकीय विद्यालयों में योग शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में विद्यार्थियों को योग का प्रशिक्षण दिया गया। आयुष विभाग और जिला प्रशासन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर विद्यालयों में योग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रामअवतार के नेतृत्व में उपरोक्त विद्यालयों में योग शिविर आयोजित किए गए। गांव धनाना, रिंढाना और छपरा में योग सहायक सुनील कुमार और गांव मुंडलाना के राजकीय विद्यालय में योग सहायक मनीषा ने योग का प्रशिक्षण दिया और इसके स्वास्थ्य लाभ बताए। योग शिक्षकों ने अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित योग करने व खानपान का ध्यान रखने की सलाह दी।

गंगा स्नान यात्रा में पाया आध्यात्मिक सुख

सोनीपत। प्रेम बंसल की स्मृति में रविवार को वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के लिए विशेष गंगा स्नान यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का उद्देश्य बुजुर्गों को आध्यात्मिक शांति और सम्मान का अनुभव कराना था। सुबह करीब पांच बजे बुजुर्गों को वृद्ध आश्रम से रवाना किया गया। यात्रा को मेयर राजीव जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के दौरान बुजुर्गों ने गंगा स्नान कर पूजा-अर्चना की और आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया। आयोजकों ने बताया कि वृद्ध आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के लिए यह यात्रा यादगार रही। प्रेम बंसल को याद करते कहा गया कि उन्होंने अपने जीवन में समाज सेवा और इंसानियत के लिए हमेशा समर्पित भाव से कार्य किया। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए इस सेवा यात्रा का आयोजन किया गया। प्रेम बंसल के सुपुत्र यश बंसल ने कहा कि हर वर्ष इस तरह की यात्रा आयोजित कर बुजुर्गों को गंगा स्नान कराया जाएगा। यात्रा में आकाश गुप्ता, प्रवीण मलिक, कुलदीप, रोहित, प्रवीण वर्मा, विजय, सुरेंद्र धनखड़ और आनंद सहित अन्य सहयोगी मौजूद रहे।

सुंदरकांड पाठ व रामकथा में भक्ति का संदेश

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत द्वारा न्यू ब्रह्म कॉलोनी में श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश अरोड़ा ने सुंदरकांड में वर्णित हनुमान जी और विभीषण के संवाद का महत्व बताते कहा कि सच्चे भक्त की पहचान उसके कुल या स्थान से नहीं, बल्कि प्रभु श्री राम के प्रति प्रेम और समर्पण से होती है। उन्होंने बताया कि लंका में हनुमान जी ने विभीषण के घर पर राम-चिह्न और तुलसी के पौधे देखकर उन्हें प्रभु भक्त के रूप में पहचाना। हनुमान जी ने विभीषण को विश्वास दिलाया कि प्रभु श्री राम सदैव शरणागत की रक्षा करते हैं। कार्यक्रम में सूरज कांत, ललित बत्रा, राकेश बहल, महेश पांडे, रमाकांत, मुकेश आनंद, मेहर चंद, दिनेश अरोड़ा, अश्विनी शर्मा, महेश तनेजा, विजय और मनोज सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। अंत में आरती व भंडारे के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वन कानून संशोधन पर वन अधिकारियों पर उठे सवाल

सोनीपत। वन कर्मचारी संघ हरियाणा के पूर्व प्रधान जीवन सिंह ने जंगलों में अवैध गतिविधियों पर बढ़ाए गए जुर्माने और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 की तुलना में जुर्माने में पांच से दस गुना तक बढ़ोतरी की गई, लेकिन इसकी जानकारी पंचायतों और आम लोगों तक नहीं पहुंचाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग में स्वीकृत वन रक्षकों के केवल 30 प्रतिशत पदों पर कर्मचारी कार्यरत हैं और संसाधनों की भारी कमी है। जीवन सिंह ने कहा कि कई वन मंडलों में कार्य योजनाएं अनुमोदित नहीं होने से लाखों घन मीटर वन संपदा नष्ट हो रही है। उन्होंने ठेका प्रथा और भ्रष्टाचार को भी वनों की सुरक्षा में बाधक बताया।

विवि में सुविधाओं व पारदर्शिता पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि (डीसीआरयूएसटी) मुरथल में 25 मई से 25 जून तक प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के बीच विश्वविद्यालय की आधारभूत सुविधाओं, पारदर्शिता और छात्र कल्याण को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। छात्रों और अभिभावकों का आरोप है कि भारी फीस और हॉस्टल शुल्क लेने के बावजूद उन्हें पर्याप्त शैक्षणिक और रहने की सुविधाएं नहीं मिल पा रहीं।

डीक्रस्ट में एनएसयूआई चेयरमैन आदि नैन और प्रधान जतिन आंतिल के अनुसार वर्ष 2014 से कई शिक्षण और गैर-शिक्षण पद खाली पड़े हैं, जिससे पढ़ाई, शोध और तकनीकी सहयोग प्रभावित हो रहा है। छात्रों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय का सेंट्रल एसी सिस्टम पिछले करीब तीन वर्षों से बंद है, जबकि भीषण गर्मी में छात्र असुविधा झेल रहे हैं। इंटरनेट सेवा को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। छात्रों का कहना है कि इंटरनेट शुल्क देने के बावजूद लाइब्रेरी और रीडिंग हॉल में पिछले डेढ़ वर्ष से नेटवर्क व्यवस्था प्रभावित है।

सत्य और धर्म के मार्ग पर चलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से पुरुषोत्तम मास में रविवार को आर्य नगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी की शुरुआत सुबह आर्य नगर स्थित रंग सेविका देवी के निवास पर तुलसी पूजन व आरती के साथ की गई। इसके बाद प्रभातफेरी पीपल वाली गली, पत्थर वाली गली, तीन नलके वाली गली से होते हुए सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में नरसिंह प्रार्थना के साथ संपन्न हुई। मार्ग पर जगह-जगह हरिनाम का गुणगान किया गया।

श्रद्धालुओं ने प्रभातफेरी के दौरान भक्तिमय गीतों के साथ भगवान श्रीकृष्ण के नाम का संकीर्तन किया। रघु कुमार दास ने श्री हरि की महिमा का बखान कर पुरुषोत्तम मास के महत्व से श्रद्धालुओं को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जीव का एकमात्र धर्म भगवान श्रीकृष्ण की सेवा करना है। हमें सत्य व धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। मार्ग में अनेक स्थानों पर स्थानीय लोगों ने प्रभातफेरी का स्वागत किया। समिति की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कृष्ण कृपा दास, बृजेश नारद दास, शांत नरसिंह दास, युग धर्मदास, सुप्रसाद हरिदास, रामसेवक दास, कृष्ण कुमार गर्ग, श्याम सिंह रावत, मास्टर जयभगवान, सुंदर सिंह, अर्जुन, शालिग्राम दास, सुदेश, सुनीता शर्मा, सीमा सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

समस्या | विश्व थायराइड दिवस पर विशेष : लोगों से नियमानुसार जीवनशैली को अपनाने का संदेश

खराब जीवनशैली, ज्यादा तनाव से थायराइड का शिकार बन रहे लोग

- नागरिक अस्पताल में हार्मोन एनालाइजर मशीन के माध्यम से थायराइड की टी3, टी4 और टीएसएच जांच की जा रही
- नागरिक अस्पताल में रोजाना 10 से अधिक मरीज पहुंचकर करवा रहे इलाज, पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की तादाद ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आजकल की खराब जीवनशैली, असंतुलित खानपान, देर तक कंप्यूटर पर काम करना, ज्यादा तनाव में रहना, योग एवं प्राणायाम से दूरी बनाना, स्वास्थ्य के प्रति सजग न रहना, टशन में स्मोकिंग व एल्कोहल की आदतों लगाना जैसी कई बुरी आदतें लोगों के शरीर में नई-नई बीमारी का घर कर रही हैं। इन्हीं में से एक थायराइड है, जो तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। खासकर महिलाओं में यह बीमारी तेजी से बढ़ रही है।

विश्व थायराइड दिवस के उपलक्ष्य में नागरिक अस्पताल के चिकित्सक लोगों को थायराइड के प्रति जागरूक करते हुए लोगों से नियमानुसार जीवनशैली को अपनाने का संदेश दे रहे हैं। चिकित्सको की सलाह है कि यदि कम भोजन लेने के बावजूद वजन लगातार बढ़ रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत स्वास्थ्य जांच कराएं। नागरिक अस्पताल में हार्मोन एनालाइजर मशीन के माध्यम से थायराइड की टी3, टी4 और टीएसएच जांच की जा रही है। यह जांच सप्ताह में दो दिन सोमवार और वीरवार को उपलब्ध है, जिसके लिए 160 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

सोनीपत। दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल। फोटो : हरिभूमि

अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 10 से अधिक थायराइड मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। विशेषज्ञों की मानें तो थायराइड की बीमारी पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिल रही है। 40 से 50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के अलावा अविवाहित युवतियां भी इस बीमारी से प्रभावित हो रही हैं। चिकित्सक ने बताया कि मुख्यतः शारीरिक गतिविधियों में कमी, अनियमित दिनचर्या, तनाव और आयोडीन की कमी इसके प्रमुख कारण हैं।

10 से अधिक मरीज पहुंच रहे रोजाना

थायराइड के नागरिक अस्पताल में रोजाना 10 से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। सोमवार और वीरवार को टी3, टी4 और टीएसएच की जांच की जाती है। महिलाओं में यह बीमारी अधिक देखने को मिल रही है। ऐसे में उन्हें संतुलित खानपान व जीवनशैली पर विशेष ध्यान केंद्रित करने का परामर्श दिया जाता है। - डॉ. शैलेंद्र राणा, फिजिशियन, नागरिक अस्पताल,सोनीपत

आयोडीनयुक्त नमक का सेवन जरूरी

विशेषज्ञ ने बताया कि थायराइड से बचाव के लिए सर्वप्रथम संतुलित खानपान जरूरी है। पनीर, दूध, दही और अन्य डेयरी उत्पाद शरीर को आवश्यक कैल्शियम, विटामिन और मिनरल प्रदान करते हैं। कच्चा नारियल मेटाबॉलिज्म को मजबूत करने में सहायक माना जाता है। आयोडीनयुक्त नमक का नियमित सेवन भी जरूरी बताया गया है। लोगों को नियमित व्यायाम, योग और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने की सलाह दी जाती है, ताकि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनी रहे।

लक्षण नजर आने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेकर जांच करवानी चाहिए

चिकित्सक के अनुसार थायराइड मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है। हाइपोथायराइड में मरीज का वजन बढ़ने लगता है, कब्ज की समस्या रहती है और बाल झड़ने लगते हैं। वहीं हाइपरथायराइड में भूख अधिक लगती है, लेकिन वजन घटता रहता है। साथ ही गर्दन में सूजन, आंखों के उभरने जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। थायराइड के मरीजों में थकान, कमजोरी, वजन बढ़ना, सूखी त्वचा, बालों का झड़ना, कब्ज, ठंड सहन न कर पाना, मासिक धर्म में अनियमितता, अवसाद और मनोदशा में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसे लक्षण नजर आने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेकर जांच करवानी चाहिए।

सुभाष स्टेडियम में 3 साल से लटके निर्माण को 10 दिन में शुरू कराने की तैयारी

बहुद्देशीय भवन निर्माण को पूरा कराने के लिए नहीं मिल रही लेबर

लोक निर्माण विभाग ने कुल 5.41 करोड़ का रिवाइज बजट तैयार कर पूरी की टेंडर व अलॉटमेंट प्रक्रिया, पहले राशि के अभाव से लटका था निर्माण, भवन में खेल विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए होंगी विभिन्न व्यवस्थाएं, इंडोर खेलों के लिए भी होंगी सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गोहाना रोड स्थित सुभाष स्टेडियम में 3 साल से अधर में लटके बहुद्देशीय भवन का निर्माण कार्य पूरा करवाने के लिए ठेकेदार लेबर का जुगाड़ नहीं कर पा रहा है। करीब एक माह से आज कल, आज कल निर्माण कार्य शुरू किए जाने के कयास लगाए जा रहे हैं। इस बीच लोक निर्माण विभाग ने मामले में सख्ती दिखाते हुए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर 10 दिन के अंदर काम शुरू करवाने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने भवन निर्माण कार्य पूरा करवाने के लिए कुल 5.41 करोड़ रुपये का बजट रखा है। सितंबर 2025 में भेजे गए रिवाइज बजट को मुख्यालय से मंजूरी मिलने के बाद विभाग ने टेंडर व अलॉटमेंट प्रक्रिया को भी पूरा कर लिया है। ऐसे में लेबर का अभाव बहुद्देशीय भवन के निर्माण में बाधा बनकर खड़ा है।

बता दें कि लोक निर्माण विभाग ने खेल विभाग के सहयोग से वर्ष 2018 में 2.42 करोड़ रुपये की राशि से बहुद्देशीय भवन का निर्माण कार्य शुरू करवाया था। उस समय भवन निर्माण की लागत 3.25 करोड़ रुपये तय की गई थी। वर्ष 2022 में 2.42 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद शेष राशि मिलने में देरी होने के चलते ठेकेदार ने भवन निर्माण कार्य को बीच में ही छोड़ दिया था। इसके बाद कई बार भवन निर्माण को जल्द पूरा करवाने के प्रयास किए गए, लेकिन समय के साथ लागत राशि बढ़ने के चलते कार्य शुरू नहीं हो पाया। विभाग ने भवन निर्माण व अन्य सुविधाओं को पूरा करने के लिए सितंबर 2025 में कुल 5.41 करोड़ रुपये का रिवाइज बजट तैयार कर मुख्यालय भेजा था। इसके बाद खेल विभाग के निदेशक को 10 अक्तूबर को पत्र भी लिखा गया था, क्योंकि भवन के निर्माण पर राशि का खर्च खेल विभाग की ओर से किया जा रहा है। बजट को मंजूरी मिलने, टेंडर व अलॉटमेंट प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों विभाग काम शुरू करवाने के फेर में उलझे हुए हैं।

सोनीपत। गोहाना रोड स्थित सुभाष स्टेडियम में निर्माणाधीन बहुद्देशीय भवन।

खिलाड़ियों को मिलेगी सुविधा

सुभाष स्टेडियम में निर्माणाधीन बहुद्देशीय भवन का कार्य जल्द पूरा करवाने के लिए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है। उक्त भवन के लिए कुल 5.41 करोड़ रुपये के रिवाइज बजट को मंजूरी मिलने के बाद टेंडर व अलॉटमेंट प्रक्रिया पूरी कर ली गई। उक्त राशि में से वर्ष 2022 में 2.42 करोड़ रुपये भवन निर्माण पर खर्च हो चुके हैं। शेष राशि से जल्द निर्माण कार्य दोबारा शुरू करवाया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

-भूपिंद्र, अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सोनीपत

जमीनी स्तर ऊंचा उठाने पर खर्च होंगे अलग से 66 लाख

अधिकारियों की मानें तो बहुद्देशीय भवन के निर्माण के लिए पहले वर्ष 2018 के हिसाब से बजट तैयार किया गया था। फिर 7 साल बाद कुछ अन्य कार्यों के साथ आधुनिकता के हिसाब से कार्य करवाने के लिए लागत मूल्य भी बढ़ गया है। भवन में करीब 1.1 करोड़ रुपये से भवन संबंधी, 29.65 लाख से सड़क पर पार्किंग, 14.90 लाख से अन्य कार्य व 1.24 करोड़ से बिजली संबंधी एवं कुछ अन्य कार्य शामिल हैं। भवन निर्माण के साथ स्टेडियम के जमीनी स्तर को भी ऊंचा कराया जाना है। इस कार्य के लिए अलग से 66 लाख रुपये की राशि तय की गई है।

बहुमंजिला भवन में इंडोर जिम छात्रावास का भी प्रावधान

बहुद्देशीय भवन में खेल अधिकारियों के लिए विभिन्न कार्यालयों का निर्माण करवाने के अलावा खिलाड़ियों के लिए जिम व छात्रावास की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही बहुमंजिला भवन में खिलाड़ियों व अधिकारियों के लिए इंडोर जिम की सुविधा होगी। बैडमिंटन कोर्ट के साथ कबड्डी, कुश्ती व बास्केटबॉल जैसे इंडोर खेलों के लिए व्यवस्थाएं कराई जाएंगी। भवन के ऊपरी हिस्से पर खिलाड़ियों के लिए छात्रावास का निर्माण करवाया जाएगा। इसके अलावा स्टेडियम के मुख्य द्वार से भवन तक सड़क निर्माण व पार्किंग की व्यवस्था कराई जाएगी।

महर्षि कश्यप जयंती धूमधाम से मनाई, विधायक ने धर्मशाला के लिए पांच लाख देने की घोषणा की

- महर्षि कश्यप ने समाज को ज्ञान, धर्म और मानवता का मार्ग दिखाया : देवेंद्र कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

कश्यप समाज सेवा समिति गन्नौर की ओर से खेड़ी रोड स्थित कश्यप धर्मशाला में महर्षि कश्यप जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान ईश्वर कश्यप ने की। समारोह में समाज के लोगों ने भाग लिया तथा प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान रहे। विधायक देवेंद्र कादियान ने महर्षि कश्यप के जीवन और उनके समाज सुधार कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महापुरुषों के आदर्शों पर चलकर ही समाज को नई दिशा दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में भाईचारा, शिक्षा और सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

विधायक देवेंद्र कादियान ने कश्यप धर्मशाला के विकास कार्यों के लिए पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके साथ देवा डेवलपमेंट सोसायटी की ओर से 1 लाख रुपए देने की भी घोषणा की गई। समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन ईश्वर कश्यप ने कहा कि महर्षि कश्यप जयंती का उद्देश्य समाज को एकजुट करना और युवाओं को अपने महापुरुषों के विचारों से जोड़ना है।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान का स्वागत करते हुए समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन ईश्वर कश्यप ।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एडवोकेट राजेश कश्यप, कैशियर सचिन कश्यप, नफे सिंह कश्यप, बारूराम कश्यप, महावीर कश्यप, जगदीश फौजी, रामपाल कश्यप, बालेराम कश्यप, बलबीर मिस्त्री सरडाना, बड़ौत के सरपंच सुखबीर कश्यप सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बाबा मोहन दास के भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गन्नौर। गांव शाहपुर तगा में बाबा मोहन दास के भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व निगम पार्षद पुनीत राई के अलावा गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा मोहन दास जी के चरणों में मत्था टेककर सुख-समृद्धि और जगत कल्याण की कामना की। भंडारे में पहुंचे लोगों ने बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया तथा धार्मिक वातावरण में सेवा भाव का परिचय दिया। पूर्व निगम पार्षद पुनीत राई ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम समाज में भाईचारे और आपसी प्रेम को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से लोगों को आध्यात्मिक शांति मिलती है और समाज में सकारात्मक संदेश जाता है।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक में ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग उठी

गन्नौर। जाट धर्मशाला में शनिवार को रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्र के वरिष्ठ रिटायर्ड कर्मचारी चौधरी फतेह सिंह धनखड़ ने की। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों ने कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए सरकार से ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग उठाई। बैठक में फतेह सिंह धनखड़ ने कहा कि विभागों में नियमित कर्मचारियों की भर्ती की जानी चाहिए, ताकि कर्मचारियों को स्थायित्व और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। साथ ही हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भंग कर कर्मचारियों को पूर्ण वेतनमान पर नियमित नियुक्ति देने की मांग भी उठाई गई। उन्होंने कहा कि ठेका प्रणाली और निगम के माध्यम से की जा रही भर्तियों से कर्मचारियों का आर्थिक और सामाजिक शोषण हो रहा है। सरकार को स्थायी नीति बनाकर युवाओं को नियमित रोजगार उपलब्ध करवाना चाहिए।

केडी इंटरनेशनल स्कूल में हुई इंटर हाउस खेल प्रतियोगिताएं

खरखौदा। के. डी इंटरनेशनल स्कूल खरखौदा में पीए - वन परीक्षा परिणाम के उपलक्ष्य में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, प्रदर्शन एवं सुधार के क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अलावा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने हेतु इंटर हाउस खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। लड़कों के लिए रोमांचक क्रिकेट मैच तथा लड़कियों के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

उपमंडल के गांव बरोना में 10 वीं और 12 वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन हरियाणा व भारतीय जनहित परिषद खरखौदा द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बोर्ड की परीक्षाओं में 80% से अधिक अंक लेने वाले सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सबसे पहले गांव के बुजुर्गों और बबलू प्रधान, पूर्व महिला सरपंच के पति सतनारायण, यशपाल, मूलचंद आदि ने 12 वीं और 10 वीं कक्षा में जिले, ब्लॉक और गांव में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली रिद्धिमा, मुस्कान और सुहाना को पगड़ी पहनाकर आशीर्वाद दिया। दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन हरियाणा के राज्य महासचिव सन्नी दहिया ने सीबीएसई बोर्ड की 12 कक्षा में 497 अंक लेकर रोहतक जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली रिद्धिमा पुत्री विशाल को 31000 रुपये व ब्लॉक खरखौदा में हरियाणा बोर्ड से 12 वीं कक्षा में साइंस संकाय में 96.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल करने वाली मुस्कान पुत्री दिनेश को 11000 रूपये व लक्ष्य पुत्र जगबीर को कॉमर्स संकाय में 96.8% अंक प्राप्त करने पर 11000 रूपये और कक्षा 10 वीं में गांव बरोना में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले क्रमशः सुहाना पुत्री सितेंद्र, दिव्या रानी पुत्री राकेश, देव पुत्र दीपक को 5100, 2100, 1100 रूपये देकर सम्मानित किया गया।

खरखौदा। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करते आयोजक

हरसाणा चौक के चौधरी चुने गए गुलाब जोगी

सोनीपत। नवनियुक्त प्रधान का स्वागत करते हुए।

सोनीपत। जोगी/योगी समाज की बैठक रविवार को आयोजित की गई, जिसमें हरसाणा चौक के चौधरी का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में गुलाब जोगी मल्हा माजरा पुत्र रतन सिंह को हरसाणा चौक का चौधरी चुना गया। बैठक की अध्यक्षता सुनील रामचंद्र योगी ने की, जबकि मंच संचालन भगवान दीवान ने किया। कार्यक्रम में जोगी समाज हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश योगी और अखिल भारतीय जोगी योगी रजिस्टर समाज के प्रदेशाध्यक्ष सत्यपाल योगी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में समाज के लोगों ने गुलाब जोगी को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं और समाज हित में कार्य करने की अपेक्षा जताई। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूरत सिंह जोगी, सरपंच हिमाचल, आनंद बिंदरोली, सुनील सरोहा, सुरेंद्र, धर्मबीर माजरा, रविंद्र माजरा, प्रकाश बाबा छतेरा आदि रहे।

प्रतिबंधित गुटखा व मशीनरी चोरी मामले में आरोपित काबू

सोनीपत। पुलिस ने डीजीजीआई गुरुग्राम द्वारा जब्त प्रतिबंधित गुटखा और मशीनरी चोरी के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सुनील बाबू निवासी जलालाबाद सजनपुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। थाना कुंडली पुलिस को डीजीजीआई गुरुग्राम के इंटेलिजेंस ऑफिसर प्रवीण ने शिकायत दी थी कि 17 जून 2025 को गांव जांटी स्थित वंडर आरएमसी प्लांट के पीछे चल रही अवैध गुटखा निर्माण यूनिट पर छापेमारी की गई थी। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित गुटखा और मशीनरी बरामद कर मौके को सील किया गया था। बाद में टीम दोबारा पहुंची तो सील तोड़कर सामान चोरी मिला। मामले में थाना कुंडली में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। सहायक उप निरीक्षक दीपक ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों ने ताइक्वांडो में दिखाई प्रतिभा

गन्नौर। चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल शेखपुरा गन्नौर में किड्स एंड फ्रेशर जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026 का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीआरसी गन्नौर आजाद सिंह दहिया तथा विशेष अतिथि देवेंद्र कटारिया उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना की सराहना की। जिला सचिव मनोज देशवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। वहीं विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया प्रतियोगिता में चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल के 19 खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों ने सनी और अन्नू चौधरी के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पशुपति के पीठाधीश्वर डॉ. गौरी शंकराचार्य ने किया जिले के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

- कमल नयन फाउंडेशन ने जीवीएम कन्या महाविद्यालय में मेधावी छात्र सम्मान समारोह 2026 का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कमल नयन फाउंडेशन ने मुरथल रोड स्थित जीवीएम महिला महाविद्यालय के इंद्रधनुष सभागार में हर वर्ष की भांति मेधावी छात्र सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया। समारोह में नेपात से अनंत विभूषित श्रीमद् पीतांबरा पशुपति के पीठाधीश्वर विश्वगुरु डॉ. गौरीशंकराचार्य महाराज, परमाध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय श्री पशुपति अखाड़ा व पाशुपत्याचार्य स्वामी सदानंद पशुपति महाराज ने शिरकत की। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, मेयर राजीव जैन, सेवानिवृत्त डीआईजी सुमन मंजरी, साहित्य कला अकादमी हरियाणा के सेवानिवृत्त डायरेक्टर पूर्णमल गौड़ ने शिरकत की। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह की शुरुआत में डॉ. गौरीशंकराचार्य महाराज ने भगवान शंकर के वास्तविक रूप की सरल शब्दों में व्याख्या की। उन्होंने कहा कि भगवान शंकर सदैव से कल्याणकारी देव हैं। उन्होंने उपस्थित सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया व मंगलकामनाएं की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, मेयर राजीव जैन ने सभी बच्चों को प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। तत्पश्चात सभी ने सीबीएसई में 100 प्रतिशत अंक लाने वाले मनन वाधवा को सम्मानित किया। इसके पश्चात एचबीएसई में द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही तनिशा व भारती को सम्मानित किया गया। वहीं जिले के सभी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इनमें लिटल एजल्स, जानकीदास, ब्राइट स्कॉलर, ऋषिकुल विद्यापीठ, हिंदू संस्था के सभी स्कूल सहित अन्य विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल रहे।

सोनीपत। जीवीएम महिला महाविद्यालय में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में अतिथियों के साथ बोर्ड परीक्षा में जिले का नाम रोशन करने वाले सम्मानित विद्यार्थी।

गंगा दशहरा आजः भोलेनाथ की जटाओं से निकलकर मां गंगा का धरती पर हुआ था अवतरण

गंगा दशहरा पर स्नान, दान व पूजा से मिलेगा पुण्यफल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 25 मई को गंगा दशहरा पर्व मनाया जाएगा। मान्यता है कि राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों की आत्मिक शांति के लिए कठोर तप किया था। जिसके फलस्वरूप मां गंगा इसी दिन धरती पर अवतरित हुईं थीं। यही कारण है कि गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व माना गया है। मां गंगा स्नान कर पूजा-अर्चना व दान-पुण्य करने से घर में सुख-शांति व समृद्धि का वास बना रहता है।

अधिक मास में बढ़ा गंगा दशहरा का महत्व

आचार्य डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि गंगा दशहरे के दिन स्नान, दान, पूजा आदि करने का खास महत्व बताया गया है।

माना जाता है कि ऐसा करने से मनुष्य को अनजाने में किए पापों से मुक्ति मिल सकती है, मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। इस दिन साधक हरिद्वार, प्रयागराज सहित कई पवित्र स्थानों पर गंगा स्नान कर अपने भाग्य का सूर्योदय करते हैं। इस वर्ष 17 मई रविवार से अधिक मास लग चुका है, लेकिन इसके बावजूद गंगा दशहरा पर्व अधिक मास में ही ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि को मनाया जाएगा। जिससे इस दिन का महत्व और बढ़ जाएगा। ज्येष्ठ अधिक माह में गंगा स्नान, दान, पूजा आदि करना शुद्ध ज्येष्ठ की अपेक्षा अधिक फलप्रदायक होता है। उन्होंने बताया कि इस दिन सुबह 9:07 बजे के बाद चंद्रमा कन्या राशि में गोचर करेंगे। सूर्य वृषभ राशि में रहेंगे। ऐसे में इस बार गंगा दशहरा के पर्व का महत्व और अधिक रहने वाला है।

यह रहेगा शुभ मुहूर्त

पंडित अमित शौनक ने बताया कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 25 मई सोमवार

को सुबह 4:28 बजे प्रारंभ होकर 26 मई मंगलवार सुबह 5:11 बजे तक रहेगी। ऐसे में 25 मई सोमवार को ही गंगा दशहरा पर्व मनाया जाएगा। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान और दान का अत्यधिक महत्व रहेगा। गंगा दशहरा के दिन स्नान-दान के लिए ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:30 बजे से 5:30 बजे तक रहेगा। पूरा दिन उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र के साथ सर्वार्थ सिद्धि, रवि व वज्र योग का संयोग रहेगा। श्रद्धा व नियमानुसार उपाय मनुष्य के जीवन से नकारात्मकता को दूर कर सुख-समृद्धि का द्वार खोल सकते हैं।

यह कर सकते हैं उपाय

- गंगा दशहरा के दिन घर के उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से मां लक्ष्मी का वास बना रहता है।
- गंगा स्नान कर तांबे के लौटे से भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य देने से कारोबार में सफलता मिलती है।
- जरूरतमंद को सफेद वस्त्र दान करने से जीवन के कलह, क्लेश दूर होने लगते हैं।
- श्रद्धा अनुसार मंदिर या जरूरतमंदों को मिट्टी के पात्र में जलभर दान करने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।
- मां गंगा के साथ भगवान शिव की आराधना व पूजा-अर्चना से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।
- गंगा स्नान के समय इस मंत्र का करें जाप
- ऊँ नमो गंगायै विश्वरुपिणी नारायणी नमो नमः
- ऊँ नमो गंगायै विश्वरुपिणी नारायणी नमो नमः
- गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वति, नर्मदे सिंधू कावेरी जल स्मिन्सन्निधिं कुरु

6 रोडवेज बसें श्रद्धालुओं को हरिद्वार गंगा स्नान के लिए लेकर रवाना

सोनीपत। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि सोमवार को गंगा दशहरा पर्व मनाया जाएगा। गंगा दशहरा पर यात्रियों की सुविधा के लिए रविवार को 3 अतिरिक्त सहित कुल 6 रोडवेज बसें चलाई गई। सोनीपत से हरिद्वार के लिए छह रोडवेज बसों के माध्यम से श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए रवाना हुए। ज्येष्ठ माह में गंगा दशहरे का बड़ा महत्व है। 25 मई सोमवार को गंगा दशहरा मेला है। इस दिन लोग गंगा में स्नान करके पूजा-पाठ करते हैं।